RAN-18011303010400002

RAN-1801130301040002

M.A. (Sem. I) Examination November - 2025

Hindi Paper - 4(B) : CC-04

Chhayaawad (Neeraja Ram Ki Shakti Pooja)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्रश्न–1. **निम्न में से किन्ही पांच प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर दीजिए:** **10**

1) राम ने किसको पराजित करने के लिए शक्ति की उपासना की?
2) रावण से युद्ध करते हुए राम निराश क्यों हो गये थे?
3) राम ने शक्ति की उपासना के लिए कौन–से फूलों का प्रयोग किया?
4) 'राम की शक्ति पूजा' काव्य में राम के लिए कौन–कौन से पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग हुआ है?
5) 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य में दीपक किसका प्रतीक है?
6) आधुनिक युग की मीराँ किसे कहा गया है?
7) 'क्या पूजन क्या अर्चन रे' काव्य का मूल्य भाव क्या है?

प्रश्न–2. ''नीरजा'' में अभिव्यक्त भावपक्ष और कलापक्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **13**

अथवा

प्रश्न–2. ''नीरजा'' काव्य–संग्रह की कविताओं में चित्रित गीति–तत्व की सविस्तर चर्चा कीजिए। **13**

प्रश्न–3. ''राम की शक्ति पूजा'' काव्य के कलापक्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **13**

अथवा

प्रश्न–3. ''राम की शक्ति पूजा'' काव्य में चित्रित रस–योजना पर प्रकाश डालिए। **13**

प्रश्न–4.(अ) **टिप्पणी लिखिए।** **14**

(1) छायावाद के प्रवर्तक।

अथवा

(1) छायावादी कवि ।

(ब) **ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:** **07**

(1) ''निज सहज रूप में संपत हो जानकी–प्राण
बोले– 'आया न समझ में यह दैवी विधान;

रावण-अधर्मरत भी, अपना, मैं हुआ अपर-
यह रहा, शक्ति का खेल समर, शंकर, शंकर!
करता मैं योजित बार-बार शर-निकर निशत,
हो सकती जिनसे यह संसृति सम्पूर्ण विजित,
जो तेज-पुंज, सृष्टि की रक्षा का विचार
हैं जिसमें निहित पतन घातक संस्कृति अपार''

अथवा

(1) ''तेरे करुणा - कण से विलसित,
हो तेरी चिवतन में विकसत,
छू तेरी श्वासों का समीर!''